Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ______________________

(Name) ______________________

2. (Signature) ______________________

(Name) ______________________

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ______________________

(In words)

Test Booklet No.

J—2009

PAPER—III

HINDI

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**

HINDI

हिन्दी

PAPER—III

प्रश्न-पत्र—III

नोट : यह प्रश्न-पत्र कुल चार (4) खण्डों में विभाजित है। पूरा प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है। परीक्षार्थियों को चारों खण्डों में विभाजित प्रश्नों के उत्तर यथास्थान दिये गये आवश्यक निर्देशों के अनुसार देने हैं।

खण्ड – I

निर्देश : ***निम्नलिखित पद्य-अवतरण के आधार पर अधिकतम (30) शब्दों में उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के पाँच (5) अंक हैं।***

मोर पखा सिर ऊपर राखिहौं गुंज की माल गले पहिरौंगी।
ओढ़ि पितांबर लै लकुटी बन गोधन ग्वालन संग फिरौंगी।।
भावता सोई मेरो रसखान सो तेरे कहे सब स्वाँग करौंगी।
या मुरली मुरलीधर की अधरा न धरी अधरा न धरौंगी।।
सेस महेस गनेस दिनेस सुरेसहुं जाहि निरंतर गावैं।
जाहि अनादि अनंत अखंड अछेद अभेद सुवेद बतावैं।।
नारद से सुक व्यास रहैं पचि हारे तऊ पुनि पार न पावैं।।
ताहि अहीर की छोहरियाँ छछिया भर छाछ पै नाच नचावैं।।

1. यहाँ किसका स्वांग भरने की बात कही गयी है और क्यों।

2. स्वांग भरने के लिए क्या–क्या करने की बातें कही गयीं हैं ?

3. स्वांग भरने के क्या कारण थे ?

4. ‘छछिया भर छाछ’ का क्या आशय है ?

5. इसमें ‘मुरली मुरलीधर की अधरा न धरी अधरा न धरौंगी’ में क्या मनोविज्ञान है ?

खण्ड – II

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अधिकतम तीस (30) शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के पाँच (5) अंक हैं।

6. आलवार संत अंडाल की भक्तिभावना पर प्रकाश डालिए।

7. 'तुलसी त्रिपथ विहाय गो' में 'त्रिपथ' से क्या आशय है ? स्पष्ट कीजिए।

8. ‘रसखान की भक्ति का मूल, प्रेम तत्व ही है’ –प्रमाणित कीजिए।

9. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र को सांस्कृतिक पुनर्जागरण का पुरोधा क्यों कहा जाता है ?

10. नवजागरण के संदर्भ में 'सरस्वती' पत्रिका के अवदान का उल्लेख कीजिए।

11. समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता की दशा और दिशा को स्पष्ट कीजिए।

12. ‘ध्रुवस्वामिनी’ नाटक नारी मुक्ति की कथा है’– विचार कीजिए।

13. ‘अंधा युग’ की गांधारी के चरित्र के मिथकीय स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

14. निपुणिका नारी मुक्ति की आकांक्षा की प्रतीक है– प्रमाणित कीजिए।

15. 'कविता के नये प्रतिमान' में नामवर सिंह की मुख्य स्थापना क्या है?

16. जीवनी और आत्मकथा में अन्तर बताइए।

17. हिन्दी निबन्ध साहित्य की एकविधा के रूप, ललित निबन्ध का परिचय दीजिए।

18. 'ध्वनि काव्य की आत्मा है'- विवेचना कीजिए।

19. 'विशिष्ट पद रचना रीति': - विचार प्रस्तुत कीजिए।

20. डेरिडा की विखंडन सम्बन्धी अवधारणा का विवेचन कीजिए।

खण्ड – III

निर्देश : निम्नलिखित **चार वैकल्पिक वर्गों** में से **किसी एक वर्ग** का चुनाव करें और **उसी वैकल्पिक वर्ग** के **पाँचों प्रश्नों** के उत्तर दें।

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम दो सौ (200) शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के बारह (12) अंक हैं।

विकल्प – I : (भक्ति काव्य)

21. निम्नलिखित काव्यांश की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए :

सठ सुधरहिं सतसंगति पाई। पारस परस कुधातु सुहाई।।

बिधि बस सुजन कुसंगत परहीं । फनि मनि सम निज गुन अनुसरहीं।।

बिधि हरि हर कबि कोबिद बानी। कहत साधु महिमा सकुचानी।।

22. कबीर की काव्य-भाषा पर प्रकाश डालिए।

23. जायसी की प्रेमव्यंजना का सौन्दर्य निरूपण कीजिए।

24. सूरदास के वात्सल्य वर्णन की विशेषतायें बताइए।

25. तुलसी साहित्य में भरत के चरित्र का विश्लेषण-कीजिए।

विकल्प – II (छायावाद)

21. निम्नलिखित काव्यांश की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए :

मुझ भाग्यहीन की तू सम्बल

युग वर्ष बाद जब हुई विकल

दुख ही जीवन की कथा रही

क्या कहूँ आज, जो नहीं कही।

22. युगीन परिस्थितियों के संदर्भ में छायवादी काव्य का मूल्यांकन कीजिए।

23. जयशंकर प्रसाद की विश्वदृष्टि की विवेचना कीजिए।

24. निराला की काव्य-यात्रा का विकासक्रम निरुपित कीजिए।

25. महादेवी वर्मा की काव्यानुभूति की विशेषतायें बताइए।

विकल्प – III (कथा-साहित्य)

21. निम्नलिखित गद्यांश की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए।

किसान पक्का स्वार्थी होता है, इसमें सन्देह नहीं। उसकी गाँठ से रिश्वत के पैसे बड़ी मुश्किल से निकलते हैं, भाव-ताव में भी वह चौकस होता है, ब्याज की एक-एक पाई छुड़ाने के लिए वह महाजन की घंटों चिरौरी करता है, जब तक पक्का विश्वास न हो जाय, वह किसी के फुसलाने में नहीं आता, लेकिन उसका सम्पूर्ण जीवन प्रकृति से स्थायी सहयोग है।

22. प्रेमचन्दयुगीन प्रमुख हिन्दी उपन्यासों में चित्रित मध्य वर्ग की समस्याओं पर प्रकाश डालिए।

23. ' 'गोदान' ग्रामीण जीवन का महाकाव्य है'- इस कथन की समीक्षा कीजिए।

24. आंचलिकता की दृष्टि से 'मैला आँचल' की समीक्षा कीजिए।

25. 'सामाजिक संदर्भों की अनुभूति, मोहन राकेश की कहानियों की अपनी विशेषता है' - इस कथन का औचित्य प्रमाणित कीजिए।

विकल्प – IV (काव्यशास्त्र और आलोचना)

21. काव्य प्रयोजन से क्या अभिप्राय है ? स्पष्ट कीजिए।

22. विरेचन सिद्धान्त की विवेचना कीजिए।

23. आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी की समीक्षा पद्धति पर विचार प्रस्तुत कीजिए।

24. रिचर्ड्स् के सम्प्रेषण सिद्धान्त की समीक्षा कीजिए।

25. नयी समीक्षा पद्धति के विशिष्ट बिन्दुओं को रेखांकित कीजिए।

खण्ड – IV

निर्देश : निम्नलिखित विषयों में से **किसी एक विषय** पर अधिकतम **एक हजार (1000)** शब्दों में निबंध लिखिए। इस प्रश्न के चालीस (40) अंक हैं।

26. (a) सूर साहित्य में लोक तत्व

(b) छायावादी काव्य में नारी

(c) आधुनिक हिन्दी कहानी की विकास-यात्रा

(d) रस सिद्धान्त

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	**Marks Obtained**	**Question Number**	**Marks Obtained**	**Question Number**	**Marks Obtained**	**Question Number**	**Marks Obtained**
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....